MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:09 JULY. 2025

साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर एमसीयू में कोर्स शुरू करें: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने एमसीयू की महापरिषद की बैठक में दिए निर्देश

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9893231237

माखनलाल यूनिवर्सिटी की बैठक को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता-संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित कोर्स शुरू करें, ताकि यह मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट की पहचान बनाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को सीएम निवास में एमसीयू की महापरिषद की बैठक में दिए। डॉ. यादव ने राज्य शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता की सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी यहां जरूरी बताईं। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित सदस्य उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'09,JULY.2025

राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय

पत्रकारिता के साथ साइबर और एआइ पर केंद्रित पढ़ाई का मौका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. अब माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय में पत्रकारिता की पढ़ाई के साथ-साथ साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) पर केंद्रित पढ़ाई के भी अवसर मिलेंगे। जरूरत के अन्य विषयों पर एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार विवि महापरिषद की बैठक में निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि विश्वविद्यालय के रीवा और खंडवा परिसरों में रोजगार दिलवाने वाले पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। कार्ययोजना बनाकर लाएं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत एक वर्षीय पीजी कोर्स शुरू करने पर भी सहमति दी। मंजूरी के बाद एमए (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एमए (मासकम्युनिकेशन), एमए (एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एमएससी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एमएसीए के एक वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। पीएचडी अधिनियम को यूजीसी पीएचडी अधिनियम 2022 के अनुसार अद्यतन कर इस आधार पर पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लाल बलदेव सिंह होगा नाम

रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार होगा। प्रस्ताव को स्वीकृति मिली। 14 अगस्त 2023 के आदेश के अनुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतनमान मिलेगा। वित्त विभाग ने इस पर सहमति दे दी है। फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज होगी। विवि के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विषय का व्यावसायिक प्रशिक्षण देने प्रिंटिंग प्रेस व लैब तथा पैकेजिंग लैब की स्थापना होगी।

ये रहे मौजूद: महापरिषद की बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित सदस्यगण उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA'09,JULY.2025

महापरिषद की बैठक

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव भी हुए शामिल, इस साल से एक वर्षीय पीजी कोर्स होगा संचालित

एमसीयू में साइबर और एआइ पर केंद्रित पाठ्यक्रम होंगे शुरू

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: पत्रकारिता विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत इस सत्र से एक साल का स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम शुरू होगा। इसमें एमए (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एमए (मास कम्युनिकेशन), एमए (एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एमएससी (इलेक्ट्रानिक मीडिया) और एमसीए का पाठ्यक्रम एक साल का होगा। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) की महापरिषद की बैठक में यह स्वीकृति प्रदान की। यह भी निर्णय लिया कि अभी एक वर्षीय पीजी का विकल्प उन विद्यार्थियों को दिया जाएगा, जिन्होंने चार साल का स्नातक किया है। तीन साल के स्नातक पाठ्यक्रम करने वाले विद्यार्थियों को दो साल का पीजी करना होगा। मुख्यमंत्री डा. यादव ने वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआइ)पर केंद्रित पाठ्यक्रम शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि विश्वविद्यालय मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए। उन्होंने विवि के रीवा और खंडवा परिसरों में रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित करने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में विवि के पीएचडी अधिनियम को यूजीसी पीएचडी अधिनियम 2022 के अनुसार पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विवि में आरंभ करने की आवश्यकता बताई। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसंपर्क डा. सुदाम खाड़े सहित महापरिषद के सदस्यगण उपस्थित थे।

एमसीयू की महापरिषद बैठक में सीएम डा.मोहन यादव, उच्च शिक्षा मंत्री इंदिर सिंह परमार, कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी समेत सदस्य शामिल हुए। ● सौ : जनसंपर्क

विश्वविद्यालय में प्रिंटिंग प्रेस व पैकेजिंग लैब स्थापित होगी

मुख्यमंत्री डा. यादव ने रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार रखने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। महापरिषद ने वित्त विभाग के 14 अगस्त 2023 के आदेश अनुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतन मान को विवि में लागू करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृत किया। विवि में फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था पर भी सहमति प्रदान की गई। विवि के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विषय का व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए प्रिंटिंग प्रेस व लैब तथा पैकेजिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ। बैठक में अन्य कार्यालयीन तथा प्रबंधकीय विषयों पर भी निर्णय लिए गए।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNUYA'09,JULY.2025

एमसीयू में अब साइबर और एआई की होगी पढ़ाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय महापरिषद की बैठक में दिए निर्देश

भोपाल, 8 जुलाई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं. साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विश्वविद्यालय में आरंभ करने की आवश्यकता बताई. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में यह निर्देश दिए. बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित महापरिषद के सदस्यगण उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के रीवा और खंडवा परिसरों में रोजगार परक पाठ्यक्रम संचालित करने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए. बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने को स्वीकृति प्रदान की गई. स्वीकृति के बाद एम.ए. (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एम.ए. (मास कम्युनिकेशन), एम.ए.(एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एम.एससी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एम.एससी.ए. के एक वर्षीय पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जाएंगे. बैठक में विश्वविद्यालय के पी.एचडी. अधिनियम को यू.जी.सी. पीएचडी अधिनियम 2022 के अनुसार अद्यतन कर इस आधार पर पी. एचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई.

सीएम ने कई प्रस्तावों को दी स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार रखने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की. महापरिषद ने वित्त विभाग के 14 अगस्त 2023 के आदेश अनुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतन मान को विश्वविद्यालय में लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया. विश्वविद्यालय में फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था पर भी सहमति प्रदान की गई. विश्वविद्यालय के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रिंटिग एवं पैकेजिंग विषय का व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए प्रिंटिग प्रेस व लैब तथा पैकेजिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ. बैठक में अन्य कार्यालयीन तथा प्रबंधकीय विषयों पर भी निर्णय लिए गए.

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVBHARAT'09,JULY.2025

पत्रकारिता विवि में साइबर और आर्टिफिशियल ...

इंटेलीजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विश्वविद्यालय में आरंभ करने की आवश्यकता बताई। आपने समत्व भवन में विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के रीवा और खंडवा परिसरों में रोजगार परक पाठ्यक्रम संचालित करने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति के बाद एमए (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एमए (मास कम्युनिकेशन), एमए(एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एम.एससी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एमएसीए के एक वर्षीय पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जाएंगे। बैठक में विश्वविद्यालय के पीएचडी अधिनियम को यूजीसी पीएचडी अधिनियम 2022 के अनुसार अद्यतन कर इस आधार पर पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

डॉ. यादव ने रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार रखने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। महापरिषद ने वित्त विभाग के 14 अगस्त 2023 के आदेश अनुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतन मान को विश्वविद्यालय में लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया। विश्वविद्यालय में फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था पर भी सहमति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विषय का व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए प्रिंटिंग प्रेस व लैब तथा पैकेजिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAIDUNIYA'09,JULY.2025

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिए निर्देश

साइबर और एआई पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं: मुख्यमंत्री

एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ होंगे

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विश्वविद्यालय में आरंभ करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुशाम खाड़े सहित महापरिषद के सदस्यगण उपस्थित थे।

यूजसी अधिनियम 2022 के तहत पीएचडी की अनुमति प्रदान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के रीवा और खंडवा परिसरों में रोजगार परक पाठ्यक्रम संचालित करने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने की स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति के बाद एम.ए. (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एम.ए. (मास कम्युनिकेशन), एम.ए. (एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एम.एससी. (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एम.एससी.ए. के एक वर्षीय पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जाएंगे। बैठक में विश्वविद्यालय के पी.एचडी. अधिनियम को यू.जी.सी. पीएचडी अधिनियम 2022 के अनुसार अद्यतन कर इस आधार पर पी. एचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार रखने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। महापरिषद ने वित्त विभाग के 14 अगस्त 2023 के आदेश अनुसार चतुर्थ सम्मयमान उच्चतर वेतन मान को विश्वविद्यालय में लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया। विश्वविद्यालय में फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था पर भी सहमति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विषय का व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए प्रिंटिंग प्रेस व लैब तथा पैकेजिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ। बैठक में अन्य कार्यालयीन तथा प्रबंधकीय विषयों पर भी निर्णय लिए गए।

अब साइबर और एआई पाठ्यक्रम भी पढ़ाएगा एमसीयू

विशेष संवाददाता, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए साइबर और एआई पर एक वर्षीय पाठ्यक्रम शुरु किए जाएंगे। यह निर्णय मंगलवार को एमसीयू महापरिषद की बैठक में लिया। सीएम डॉ.मोहन यादव ने एक वर्षीय पाठयक्रम प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। सीएम हाउस स्थित समत्व भवन में हुई बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति के बाद एम.ए. (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एम.ए. (मास कम्युनिकेशन), एम.ए.(एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एम.एससी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एम.एसी.ए. के एक वर्षीय पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जाएंगे। बैठक में विश्वविद्यालय के पी.एचडी. अधिनियम को यू.जी.सी. पीएचडी अधिनियम 2022 के अनुसार अद्यतन कर इस आधार पर पी. एचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

महापरिषद ने वित्त विभाग के 14 अगस्त 2023 के आदेश अनुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतन मान को विश्वविद्यालय में लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया। विश्वविद्यालय में फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था पर भी सहमति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विषय का व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए प्रिंटिंग प्रेस व लैब तथा पैकेजिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ। बैठक में अन्य कार्यालयीन तथा प्रबंधकीय विषयों पर भी निर्णय लिए गए। इस मौके पर सीएम ने कहा कि विश्वविद्यालय में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित महापरिषद के सदस्यगण उपस्थित थे

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK JAGRAN'09,JULY.2025

माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय में साइबर और एआई पर नए पाठ्यक्रम शुरू होंगे: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में वर्तमान दौर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर केंद्रित पाठ्यक्रम शुरू किए जाएं। साथ ही विश्वविद्यालय को मीडिया क्षेत्र में एक उन्नत अनुसंधान संस्थान (एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट) के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश समत्व भवन स्थित अपने निवास पर आयोजित विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में दिए।

बैठक में उन्होंने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण से संबंधित गतिविधियों को भी विवि के पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता जताई। बैठक में एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की शुरुआत को मंजूरी दी गई, जिनमें एम.ए. (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव राइटिंग), एम.ए. (मास कम्युनिकेशन), एम.ए. (एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एम.एससी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एम.एसी.ए. शामिल हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के पीएचडी अधिनियम को यूजीसी के 2022 के नए प्रावधानों के अनुरूप अद्यतन कर प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने की भी स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री ने रीवा और खंडवा परिसरों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को लेकर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, साथ ही रीवा परिसर के सभागार का नाम 'लाल बलदेव सिंह सभागार' रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। बैठक में विश्वविद्यालय में चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतनमान लागू करने, फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था और नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के विद्यार्थियों को प्रिंटिंग व पैकेजिंग का प्रशिक्षण देने हेतु संबंधित प्रयोगशालाओं की स्थापना के प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, सांसद शंकर लालवानी, कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी, जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े समेत अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RASHTRIYA HINDIMAIL'09,JULY.2025

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय महापरिषद की बैठक में दिए निर्देश

अब एमसीयू में साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम होंगे शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं। साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विश्वविद्यालय में आरंभ करने की आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित महापरिषद के सदस्यगण उपस्थित थे।

रोजगार परक पाठ्यक्रम की कार्ययोजना बनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के रीवा और खंडवा परिसरों में रोजगार परक पाठ्यक्रम संचालित करने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति के बाद एमए (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एमए (मास कम्युनिकेशन), एम.ए.(एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एमएससी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एमएसीए के एक वर्षीय पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय की ओर से संचालित किए जाएंगे।

प्रिंटिंग प्रेस तथा पैकेजिंग लैब की होगी स्थापना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार रखने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। महापरिषद ने वित्त विभाग के 14 अगस्त 2023 के आदेश अनुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतनमान को विश्वविद्यालय में लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया। विश्वविद्यालय में फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था पर भी सहमति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विषय का व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए प्रिंटिंग प्रेस व लैब तथा पैकेजिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ। बैठक में अन्य कार्यालयीन तथा प्रबंधकीय विषयों पर भी निर्णय लिए गए।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'09,JULY.2025

MCU to start courses on AI and cyber

One-year PG courses to be launched

Our Staff Reporter
BHOPAL

Courses centred on cyber and artificial intelligence (AI) will be started at Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication Bhopal.

One-year postgraduate course under the National Education Policy will be conducted by the university. It includes MA (Journalism and Creative and Writing), MA (Mass Communication), MA (Advertising and Public Relations), MSc (Electronic Media) and MACA. The approval was also given to update the PhD Act of the University as per the UGC PhD Act 2022 and start the admission process in PhD course on this basis.

A meeting of the general council of the University was held at CM House on Tuesday. The Chief Minister Moyhan Yadav also directed to prepare an action plan for conducting employment oriented courses in the Rewa and Khandwa campuses of the university. The proposal to name the auditorium of Rewa campus as Lal Baldev Singh Auditorium has been approved. Consent was also given to the arrangement of marking attendance through a face detection machine in the university.

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'FREE PRESS'09,JULY.2025

मुख्यमंत्री ने माखनलाल चतुर्वेदी विवि महापरिषद की बैठक में दिए निर्देश

विवि में साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं

एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ होंगे

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विश्वविद्यालय में आरंभ करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित महापरिषद के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के रीवा और खंडवा परिसरों में रोजगार परक पाठ्यक्रम संचालित करने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति के बाद एम.ए. (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एम.ए. (मास कम्युनिकेशन), एम.ए.(एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एम.एससी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एम.एसी.ए. के एक वर्षीय पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जाएंगे। बैठक में विश्वविद्यालय के पी.एचडी. अधिनियम को यू.जी.सी. पीएचडी अधिनियम 2022 के अनुसार अद्यतन कर इस आधार पर पी. एचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार रखने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। महापरिषद ने वित्त विभाग के 14 अगस्त 2023 के आदेश अनुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतन मान को विश्वविद्यालय में लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DESHBANDHU'09,JULY.2025

दैनिक भास्कर भोपाल 09-07-2025

यूजीसी रेगुलेशन-2022 के तहत होगी प्रक्रिया

MCU 9 साल बाद पीएचडी में देगा प्रवेश, नोटिफिकेशन जल्द

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

पत्रकारिता और जन संचार के छात्रों के लिए अच्छी खबर है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) पीएचडी प्रोग्राम में प्रवेश प्रक्रिया जल्द शुरू करेगा। इसके लिए इसी माह नोटिफिकेशन जारी होगा। विश्वविद्यालय में 50 से अधिक सीटें उपलब्ध हैं।

मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में एमसीयू की महापरिषद की बैठक आयोजित हुई। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा यूजीसी (पीएचडी डिग्री प्रदान के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया) रेगुलेशन-2022 के तहत अपडेट किए गए अध्यादेश को मंजूरी दी गई। साथ ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की स्वीकृति भी मिली। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव (वित्त) मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त सम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित महापरिषद के अन्य सदस्य उपस्थित थे। एमसीयू द्वारा आखिरी बार 2016 में पीएचडी के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। अब करीब 9 साल बाद प्रवेश के लिए विज्ञापन जारी होगा। इस बार विश्वविद्यालय शोधार्थियों के चयन और रिसर्च टॉपिक्स को लेकर सख्ती दिखाएगा। पत्रकारिता विश्वविद्यालय अब पीएचडी शोध विषयों के चयन में सख्ती बरतेगा।

▶ सीएम डॉ. मोहन यादव ने विश्वविद्यालय महापरिषद की बैठक में दिए निर्देश

माखनलाल विवि में अब पत्रकारिता के साथ सायबर व एआई कोर्स भी, एक साल में मिलेगी मास्टर्स डिग्री

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

मीडिया अब केवल खबरों का माध्यम नहीं, बल्कि डेटा सुरक्षा और विश्लेषण से जुड़ा पूरा इकोसिस्टम बन गया है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कोर्स ढांचे में बड़े बदलाव किए जाएंगे। अब यहां साइबर सिक्योरिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित अध्ययन शुरू होगा। यह निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में दिए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और महापरिषद के सदस्य मौजूद रहे। *मीडिया संप्रेषण की पारंपरिक जिम्मेदारी को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय अब राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रभावशीलता* पर सर्वेक्षण करेगा। इससे छात्रों को फिल्ड रिसर्च का अनुभव मिलेगा और नीतियों की ज़मीनी हकीकत को समझने का अवसर भी।

इधर, विवि अब पीएचडी, यूजीसी के 2022 पीएचडी अधिनियम के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया शुरू करेगा। जिससे शोध की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

रीवा-खंडवा में भी बदलाव, लाल बलदेव के नाम पर रीवा सभागार

रीवा परिसर के सभागार को अब 'लाल बलदेव सिंह सभागार' के नाम से जाना जाएगा। यह निर्णय स्मृति और सम्मान के भाव को दर्शाता है, जिससे परिसर की सांस्कृतिक पहचान और मजबूत होगी। इसी के साथ यूनिवर्सिटी के रीवा और खंडवा परिसरों में भी रोजगारोन्मुख कोर्स शुरू होंगे। योजना है कि इन परिसरों में *स्थानीय जरूरतों और संभावनाओं के अनुसार कोर्स तैयार किए जाएं, जिससे युवाओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ अपने ही क्षेत्र में काम के अवसर मिल सकें।*

कई महत्वपूर्ण फैसले हुए, एक साल में मास्टर्स की डिग्री

बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। विश्वविद्यालय में अब एक वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम शुरू करने की मंजूरी दे दी गई है। इसमें पत्रकारिता, मास कम्युनिकेशन, विज्ञापन, जनसंपर्क, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और मीडिया एनालिटिक्स जैसे विषय शामिल हैं। छात्रों को कम समय में अधिक दक्षता देने की सोच के तहत ये कोर्स तैयार किए गए हैं।

प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर जोर पीएचडी में नये नियम

नई मीडिया टेक्नोलॉजी पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अब सिर्फ थ्योरी नहीं, बल्कि प्रिंटिंग प्रेस, प्रिंटिंग लैब और पैकेजिंग लैब जैसे संसाधनों के जरिए व्यावसायिक प्रशिक्षण भी मिलेगा। यानी सीखने के साथ काम करने का अनुभव। वहीं, शोध की दुनिया में प्रवेश चाहने वाले विद्यार्थियों के लिए भी खबर है। विश्वविद्यालय अब यूजीसी के 2022 पीएचडी अधिनियम के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया शुरू करेगा। नियमों का अद्यतन कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शोध की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहे।

कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए भी बैठक में राहत की घोषणा की गई। चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतनमान को लागू करने का प्रस्ताव पारित हुआ है, जिससे कई कर्मचारियों को आर्थिक लाभ मिलेगा।।

चेहरा देखकर लगेगी उपस्थिति

विवि में सभी की उपस्थिति दर्ज करने का तरीका भी बदलने वाला है। अब फेस डिटेक्शन तकनीक के जरिए उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इससे पारदर्शिता और कार्य गुणवत्ता बढ़ेगी।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RAJ EXPRESS'09,JULY.2025

स्वदेश

भोपाल - संस्करण

9 July 2025

अन्य कन्द्राय मात्रया स भट का। उन्हान क द्राय गृहमत्रा आमत शाह, कद्राय रक्षा मत्रा राजनाथ सिह, प्रहलाद जाशा, जा किशन रड्डा एव डा. एल मुरूगन स भा साजन्य भट का।

विश्वविद्यालय महापरिषद बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिए निर्देश

माखनलाल विवि में साइबर और एआई पाठ्यक्रम शुरू किए जाएं

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विश्वविद्यालय में आरंभ करने की आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित महापरिषद के सदस्यगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के रीवा और खंडवा परिसरों में भी जॉब ओरिएंटेड शिक्षा शुरू करने के लिए एक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। यह कदम स्थानीय युवाओं को कौशल संपन्न बनाने में मदद करेगा। साथ ही, विश्वविद्यालय के क्क॥ष्ठ नियमों को भी यूजीसी के पीएचडी अधिनियम 2022 के अनुसार अपडेट करने और इसी आधार पर पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी मिल गई है।

शुरू होंगे एक वर्षीय पीजी कोर्स

बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। विश्वविद्यालय में अब एक वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम शुरू करने की मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत एम.ए. (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एम.ए. (मास कम्युनिकेशन), एम.ए. (एडवर्टाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एम.एससी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एम.एससी.ए. जैसे पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

फेस डिटेक्शन मशीन से होगी उपस्थिति दर्ज

आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए, विश्वविद्यालय में अब फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था पर भी सहमति बन गई है। यह पारदर्शिता बढ़ाएगा। विद्यार्थियों को बेहतर व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए नए मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में प्रिंटिंग प्रेस व लैब और पैकेजिंग लैब की स्थापना के प्रस्ताव को भी स्वीकृत दे दई गई है। विश्वविद्यालयमें लागू होगा उच्चतर वेतनमान बैठक में रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार रखने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिली। इसके अलावा, वित विभाग के आदेशानुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतनमान को विश्वविद्यालय में लागू करने का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया, जिससे कर्मचारियों को फायदा मिलेगा।